ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-४
दिनांक-शुक्रवार,११ जनवरी,२०१९

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २२.४ एवं ७.५ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८७ सुबह में एवं दोपहर में ५२ प्रतिशत, हवा की औसत गति २.९ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण २.१ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ५.४ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १०.३ एवं दोपहर में २०.५ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा, रात्री एवं सुबह में कुहासा देखा गया।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१२ से १६ जनवरी, २०१९)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १२ से १६ जनवरी, २०१९ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- अधिकतम तापमान २१ से २३ डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान ७ से ९ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है। सुबह में हल्का कुहासा रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में औसतन ५ से १० कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से अगले २४ घंटे पूरवा हवा तथा उसके बाद पछिया हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८५ से ९० प्रतिशत तथा दोपहर में ४५ से ५५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझा

- समय से बोयी गई गेहूँ की ४५ से ५० दिनों की फसल जो कल्ले निकलने की अवस्था में है, उसमें दूसरी सिंचाई करें। बिलम्ब से बोयी गयी गेहूँ की फसल जो २१ से २५ दिनों की हो गयी हो उसमें सिंचाई कर ३० किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।
- वैसे किसान जिन्होनें गेहूँ की जुताई के दौरान खेत में जिंक का प्रयोग नहीं किए हैं एवं खड़ी फसल में जिंक की कमी के लक्षण (गेहूँ के पौधों का रंग हल्का पीला हो जाना) दिखाई दें रहें हो तो २.५ किलोग्राम जिंक सल्फेट, १.२५ किलोग्राम बुझा हुआ चुना एवं १२.५ किलोग्राम युरिया को ५०० लिटर पानी में घोलकर प्रति हेक्टेयर की दर से १५ दिन के अन्तराल पर दो बार छिड़काव करे।
- मक्का की फसल जो ५० से ६० दिनों की हो गयी हो, उसमें सिचाई कर ५० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेशन करें।
- सब्जियों में निकाई-गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। इस मौसम में आलू की फसल में झुलसा रोग की संभावना बनी रहती है। अतः किसान भाई नियमित रुप से फसल की देख-रेख करें। आलू को १०-१५ दिनों पर सिचांई करें।
- प्याज की रोपाई करें। पौध की रोपाई अधिक गहराई में नहीं करें। गत माह रोपी गई प्याज में निकौनी करे तथा हल्की सिचाई १०-१५ दिनों के अन्तराल में करते रहें। लहसुन की फसल में निकौनी एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। कीट-व्याधि की निगरानी करें।
- चने की फसल में सूंडी कीट की निगरानी करें। यह कीट प्रारम्भ में पत्तियों तथा कोमल टहनियो को नुकसान करती है तथा बाद में चने की फलियों में छेद करके अन्दर प्रवेश कर जाती है और दानों को खाकर खोखला कर देती है, जिससे उपज में काफी कमी आती है। यह कीट दिन में भी पौधे में लगी फलियों में आधी घुसी हुई और आधी लटकी हुई देखा जा सकता है। इससे बचाव हेतु खेतो के पास प्रकाश प्रपंच लगाकर प्रौढ़ कीटो को आकर्षित कर तथा नष्ट कर इसकी संतति को कम किया जा सकता है। फिरोमोन प्रपंश @ ३-४ प्रपंस प्रति एकड़ की दर से लगायें। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पेनोसेड १ मी०ली० प्रति ३ लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- मटर की फसल में अच्छे फलन के लिए २ प्रतिशत यूरिया के घोल का छिड़काव करें। मटर की फसल में चूर्णिल फफूँदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग एवं फल छेदक कीट की निगरानी करें।
- अरहर की फसल जिसमें ५० प्रतिशत फूल आ गया हो उसमें फली छेदक कीट की निगरानी करें। इस कीट से बचाव के लिए करताप हाईड्रोक्लोराइड दवा १.५ मी०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- चारे की फसलें जैसे-जई, बरसीम एवं लूसर्न की कटाई २५-३० दिनों के अन्तर पर करें। प्रत्येक कटनी के बाद सिंचाई करें। सिंचाई के बाद खेतों में १० किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टर की दर से उपरिवेशन करें।
- पशुपालक भाई दूधारु पशुओं का विशेष ध्यान रखें। इस मौसम में इन पशुओं के दुग्ध उत्पादन को बढ़ाने हेतु हरे एवं शुष्क चारे के मिश्रण के साथ ५० ग्राम नमक, ५० से १०० ग्राम खनिज मिश्रण प्रति पशु एवं दाना खिलावें। नियमित रुप से कैल्सियम की सूई दिलायें अथवा तरल कैल्सियम, पशुओं के दाना के साथ मिलाकर खिलायें।

आज का अधिकतम तापमानः २१.८ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.९ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः ६.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.६ डिग्री कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी